भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 9
सोमवार, 21 जुलाई, 2025 (30 आषाढ़, 1947 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

संतुलित क्षेत्रीय विकास हेतु क्षेत्रीय संपर्क योजना

9 डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) किफायती हवाई यात्रा उपलब्ध कराने और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में उड़ान योजना की क्या भूमिका है;
(ख) इस योजना के अंतर्गत कौन से नए मार्ग शुरू किए गए हैं और क्या सरकार इस योजना के अंतर्गत नए गंतव्यों को जोड़ने का विचार रखती है;
(ग) क्या सरकार महाराष्ट्र राज्य में दूरस्थ, पहाड़ी और आकांक्षी जिलों को जोड़ने को प्राथमिकता देने का विचार रखती है; और
(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): आरसीएस-उड़ान योजना के अंतर्गत, सरकार आम जनता तक हवाई यात्रा को किफायती, सुविधाजनक बनाने के लिए ठोस कदम उठा रही है और साथ ही भारत और दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुँच के साथ यात्रियों के लिए सुरक्षित, संरक्षित, किफायती और वहनीय हवाई यात्रा प्रदान कर रही है और एक एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित कर रही है जिससे नागर विमानन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है, पर्यटन को भी बढ़ावा मिल रहा है, रोजगार में वृद्धि हो रही है और देश भर में संतुलित क्षेत्रीय विकास हो रहा है।
योजना के प्रारंभ होने के बाद से, देश भर में 15 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एयरोड्रोम सहित 92 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों को जोड़ते हुए 637 आरसीएस मार्गों को कार्यशील किया गया है।
उड़ान योजना के तहत महाराष्ट्र में कोल्हापुर, जलगाँव, नांदेड़, नासिक, गोंदिया, सिंधुदुर्ग और अमरावती नामक सात हवाईअड्डों को पहले ही विकसित और कार्यशील किया जा चुका है। महाराष्ट्र में शोलापुर हवाईअड्डे को भी इस योजना के तहत विकसित किया गया है और वाणिज्यिक उड़ान परिचालन शुरू हो गए हैं।
सरकार ने हाल ही में महाराष्ट्र सहित देश भर में 120 नए गंतव्यों तक क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए संशोधित उड़ान योजना आरंभ करने की घोषणा की है। यह योजना पहाड़ी, आकांक्षी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के ज़िलों में हेलीपैड और छोटे हवाईअड्डों को भी सहायता प्रदान करेगी।

******